



संख्या—cm-384
13/08/2021

मुख्यमंत्री ने सड़क मार्ग से आरा एवं सारण जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, प्रभावित लोगों का जाना हाल, अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का दिया निर्देश

पटना, 13 अगस्त 2021 :- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सड़क मार्ग से आरा एवं सारण जिले के बाढ़ से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री कोईलवर और बबुरा का जायजा लेते हुये छपरा पहुंचे। छपरा के डोरीगंज, मौजमपुर होते हुये सोनपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भी उन्होंने जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने सारण जिले के मुसेपुर चौक पर बाढ़ प्रभावित लोगों के लिये चलाये जा रहे सामुदायिक किचेन का निरीक्षण किया। सामुदायिक किचेन में भोजन कर रहे लोगों से उन्होंने बातचीत की और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कम्युनिटी किचेन के निकट चलाये जा रहे कोविड टीकाकरण केन्द्र का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यहां पर रहे सभी लोगों की कोरोना जांच अवश्य कराएं और जो भी संक्रमित पाए जाते हैं तो उनके लिए अलग से व्यवस्था करें। जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है उनका टीकाकरण अवश्य कराएं।

मुख्यमंत्री ने मुसेपुर चौक पर रह रहे विस्थापित लोगों से बातचीत की उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि सामुदायिक किचेन को और बड़ा किया जाए ताकि सहूलियत पूर्वक अधिक से अधिक भोजन कर सकें। लोगों को यहां किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका ख्याल रखें। यहां टेंट के साथ-साथ अन्य जरूरी चीजों की भी पूरी व्यवस्था रखें। पशु चारा की पूरी उपलब्धता रखें। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की और कहा कि लोगों को राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सभी काम करें। छपरा के जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को प्रभावित आबादी की जानकारी दी और नावों के परिचालन एवं अन्य राहत कार्यों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित फोरलेन कोईलवर पुल पर रुककर सोन नदी एवं वीर कुंवर सिंह सेतु पर गंगा नदी की धारा एवं जलस्तर का जायजा लिया। पटना वापस आने के क्रम में मुख्यमंत्री ने जे0पी0 सेतु पर रुककर गंगा नदी के जलस्तर का लिया जायजा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव हंस, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार एवं संबद्ध जिलों के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

वापस लौटने के पश्चात मुख्यमंत्री ने 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में आपदा प्रबंधन एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों की हुई क्षति सभी चीजों का ठीक से आकलन कराएं साथ ही किसानों की धान रोपनी की क्षति का भी आकलन

कराएँ। प्रभावित लोगों से संपर्क बनाए रखें और पूरी तत्परता के साथ सभी लोगों की सहायता करें। जिलाधिकारियों से निरंतर संपर्क में रहें और स्थिति पर नजर बनाए रखें। राहत एवं बचाव कार्य तेजी से करें ताकि लोगों की त्वरित सहायता हो सके।

बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव हंस, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे।
